(Pages : 4) **N – 2513**

Reg. No. : ...............................

Name : ...................................

## Third Semester B.A. Degree Examination, March 2022

## First Degree Programme under CBCSS

## Sanskrit

## Complementary Course for Music

## SK 1331.3 – PROSE AND MAHAKAVYA

## (2019 and 2020 Admission)

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

Answer may be written either in Sanskrit or in English or in Malayalam.

gcwcentrallibrary.in

**I. Answer the following questions in a word or a sentence.**

1. शुकस्य नाम किम्?
2. तारापीडस्य मन्त्रिणः नाम किम्?
3. आत्मकृतानां हि दोषाणां नियतमनुभवितव्यं फलमात्मनैव। केनोक्तम्?
4. दर्शितविनयः शिष्य इव तां व्रजन्तीमनुवव्राज। कः?
5. श्रुतेरिवार्थं स्मृतिरन्वगच्छत्। का? काम्?
6. गौरीगुरोर्गह्वरमाविवेश। का?
7. "श्रमेण अलम्" – व्याकरणविशेषं लिखत।
8. शिवकिङ्करस्य सिंहस्य नाम किम्?
9. नृपतिः किम् उद्धर्तुमैच्छत्?
10. "कुतोऽयम्" पदच्छेदं लिखत।

**(10 × 1 = 10 Marks)**

P.T.O.

II. **Write short answer on any eight of the following :**

11. चण्डालकन्यका राजानं किम् अवदत्?

12. नास्ति खल्वसाध्यं नाम तपसाम्, किमतः परमाश्चर्यम्। सन्दर्भं लिखत।

13. पुण्डरीकजन्मवृत्तान्तम्।

14. कपिञ्जलविलापः।

15. शुकनासः।

16. अच्छोदसरः।

17. चन्द्रापीडस्य दिग्विजयः।

18. वैशम्पायनो नाम शुकः कीदृशः?

19. सम्राट् समाराधनतत्परोऽभूत्। कथम्?

20. पार्श्वद्रुमाः दिलीपस्य जयशब्दमुदीरयामासुः। कथम्?

21. निवर्तयामास नृपस्य दृष्टिम्। किम्?

22. अलं महीपाल तव श्रमेण.....। सन्दर्भं लिखत।

23. तस्यालमेषा क्षुधितस्य तृप्त्यै.......। आशयं लिखत।

24. प्रकामविस्तारफलं हरिण्यः। आशयं लिखत।

25. नन्दिनी गौरीगुरोः गह्वरम् आविवेश। किमर्थम्?

26. छाया इव भूपतिः ताम् अन्वगच्छत्। कीदृशम्?

**(8 × 2 = 16 Marks)**



gcwcentrallibrary.in

## III. Write short essay on any six of the following :

27. वैशम्पायनोक्तं पूर्ववृत्तान्तं लिखत।

28. चन्द्रापीडजन्मवृत्तान्तम्।

29. महाश्वेतावृत्तान्तम्।

30. पुण्डरीकः।

31. चन्द्रापीडमहाश्वेतयोः प्रथमदर्शनम्।

32. दिलीपाय द्रुमादिभिः कृतराजोपचारः।

33. उपोषिताभ्यामिव लोचनाभ्याम्। वर्णयत।

34. चित्रार्पितारम्भ इवावतस्थे – ससन्दर्भम् आशयं लिखत।

Translate the following (35-38)

35. ततः स्वावासगुहां प्रविश्य वल्कलशयनशिरोभागविन्यस्तवीणया तया विरचितां सपर्यां शिलातलोपविष्टः सप्रश्रयं प्रतिजग्राह। द्वितीयशिलातलोपविष्टया तथा क्रमेण परिपपृष्टः, दिग्विजयादारभ्य किन्नरमिथुनानुसरणप्रसङ्गेनागमनात्मनः समाचचक्षे। विदितसकलवृत्तान्ता समुत्थाय सा कन्यका शङ्खमयं भिक्षाकपालमादाय आयतनतरुतलेषु विचचार। अचिरेण तस्याः स्वयंपतितैः फलैरापूर्यत भिक्षाभाजनम्। आगत्य च तेषामुपयोगाय नियुक्तवती चन्द्रापीडम्।

36. विसृष्टपार्श्वानुचरस्य तस्य पार्श्वद्रुमाः पाशभृता समस्य।

उदीरयामासुरिवोन्मदानां आलोकशब्दं वयसां विरावैः।।

37. पुरस्कृता वर्त्मनि पार्थिवेन प्रत्युद्गता पार्थिवधर्मपत्न्या।

तदन्तरे सा विरराज धेनुः दिनक्षपामध्यगतेव सन्ध्या।।

38. अमुं पुरः पश्यसि देवदारुं पुत्रीकृतोऽसौ वृषभध्वजेन।

यो होमकुम्भस्तननिस्सृतानां स्कन्दस्य मातुः पयसां रसज्ञः।।

**(6 × 4 = 24 Marks)**

gcwcentrallibrary.in

IV. **Write an essay on any two of the following :**

39. पुण्डरीकमहाश्वेतयोः प्रणयवृत्तान्तम्।

40. चन्द्रापीडस्य पात्रचित्रणम्।

41. पुण्डरीकपात्रचित्रणम्।

42. दिलीपस्य नन्दिनीपरिचरणम्।

43. रघुवंशमधिकृत्य कालिदासस्य वर्णनापाटवं लिखत।

44. दिलीपे नन्दिनीकृतभक्तिपरीक्षा।

**(2 × 15 = 30 Marks)**

gcwcentrallibrary.in